राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन अंतर्गत

मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी

आदान वितरण कार्यक्रम

4 मार्च, 2025

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का आयोजन

मधुमक्खीपालन से बढ़ाये आय, बने आत्मनिर्भर- डॉ. एस.आर.के सिंह

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन अंतर्गत एक दिवसीय मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एस.आर.के. सिंह, डायरेक्टर, अटारी, जबलपुर, नेशनल बी वर्ल्ड के डायरेक्टर श्री प्रवीण रघुवंशी, श्री जी.एस रैकवार, अनुविभागीय कृषि अधिकारी, कृषि विभाग, वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन डॉ. स्वप्निल दुबे, डॉ. मुकुल कुमार, श्री आलोक सूर्यवंशी, श्री रंजीत सिंह राघव, डॉ. अंशुमान गुप्ता, श्रीमती लक्ष्मी चक्रवर्ती, श्री सुनील केथवास, डॉ. ब्रम्हानंद शुक्ला, श्रीमती अरूणा सोमकुंवर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी वितरण कार्यक्रम
4 मार्च, 2025
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन
राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन अंतर्गत
मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी
आदान वितरण कार्यक्रम
4 मार्च, 2025
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन
मधुमक्खी पालन के महत्व को ध्यान में रखते हुए और "मीठी क्रांति" के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मधुमक्खी पालन के समग्र प्रचार और विकास तथा गुणवत्तापूर्ण शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के उत्पादन के लिए एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना "राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (NBHM)" को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है।
मिशन के उद्देश्य–
रोजगार सृजन के लिए मधुमक्खी पालन उद्योग के समग्र विकास को बढ़ावा देना, कृषि और गैर–कृषि परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान करना और कृषि/बागवानी उत्पादन को बढ़ाना।
मधुमक्खी पालन/शहद उत्पादन में भागीदारी के लिए कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देना।
मधुमक्खी पालन के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण।
सामूहिक दृष्टिकोण के माध्यम से संस्थागत ढांचा विकसित करके मधुमक्खी पालकों को मजबूत करना; जैसे स्वयं सहायता समूह/एफपीओ/मधुमक्खी पालक सहकारी समितियां/संघ आदि का गठन।
घरेलू और निर्यात बाजार के लिए अधिक मात्रा में और अच्छी गुणवत्ता वाले शहद और अन्य उच्च मूल्य वाले मधुमक्खी उत्पादों जैसे कि मधुमक्खी मोम, मधुमक्खी पराग, प्रोपोलिस, रॉयल जेली, कच्ची शहद, मधुमक्खी विष आदि का उत्पादन करके मधुमक्खी पालन के माध्यम से विविधीकरण द्वारा आर्थिक, पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ को अधिकतम करना।
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन
DKVAAS

Shot on motorola edge 50 fusion

Shot on motorola edge 50 fusion

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन अंतर्गत
वितरण कार्यक्रम
Shot on motorola edge 50 fusion

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन अंतर्गत
मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी
आवंटन वितरण कार्यक्रम
4 मार्च, 2025
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
National Beekeeping and Honey Mission (NBHM)
DKVAAS
Shot on motorola edge 50 fusion

Shot on motorola edge 50 fusion

4 मार्च, 2025
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
मधुमक्खी पालन और शहद मिशन
आदान वितरण कार्यक्रम
मार्च, 2025
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
कृषि विज्ञान केन्द, रायसेन

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन अंतर्गत
मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी
आदान वितरण कार्यक्रम
4 मार्च, 2025
विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

Shot on motorola edge 50 fusion

FARMER HOSTEL

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन अंतर्गत
मधुमक्खी पालन प्रदर्शनी
विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी वितरण कार्यक्रम
4 मार्च, 2025
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन

Shot on motorola edge 50 fusion

रायसेन पत्रिका

पत्रिका. भोपाल, बुधवार, 05 मार्च, 2025

कृषि विज्ञान केंद्र में मधुमक्खी पालन पर कार्यशाला का आयोजन

मधुमक्खी पालन एक लाभदायक व्यवसाय: डॉ. एसआरके सिंह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन अन्तर्गत एक दिवसीय मधुमक्खी पालन बाक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. एसआरके सिंह ने मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि मधुमक्खी पालन एक लाभदायक व्यवसाय है।

कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे ने कहा कि जिले में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएं हैं, जिससे जुड़कर ग्रामीण युवक स्वरोजगार के अवसर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को आत्म निर्भर बनने के लिए फसल उत्पादन के साथ आय में अतिरिक्त साधन के लिए मधुमक्खी पालन, एवं मशरूम उत्पादन जैसी तकनीक को अपनाना होगा।

मधुमक्खी पालन स्वरोजगार का कृषि आधारित अच्छा व्यवसाय है। वैज्ञानिक डॉ. मुकुल ने मधुमक्खी पालन के लिए उपयुक्त फसलें नीबू, आम, युकेल्प्टिस, अनार, नीम, अमरूद, बेर, सरसों, महुआ, धनिया की जानकारी दी। वैज्ञानिक आलोक सूर्यवंशी द्वारा मधुमक्खी पालन से प्राप्त होने वाले विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी गई। वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव, डॉ. अशुंमान गुप्ता एवं लक्ष्मी चक्रवर्ती ने भी जानकारियां दीं। अतिथियों ने प्रशिक्षित एवं चयनित मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन बाक्स, मधु भोजन पात्र, दस्ताने, शहद चलनी आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिले के 180 किसान शामिल हुए।

रायसेन. मधुमक्खी बॉक्स का किया प्रदर्शन।

दैनिक भास्कर
भोपाल, गुरुवार, 6 मार्च, 2025 16

मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित

मधुमक्खी पालन से बढ़ाएं आय, आत्मनिर्भर बनें : डॉ. सिंह

कार्यक्रम के दौरा मधुमक्खी पालन की जानकारी देते हुए वक्ता।

रायसेन| कृषि विज्ञान केंद्र, रायसेन ने राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन के तहत एक दिवसीय मधुमक्खी पालन बॉक्स प्रौद्योगिकी आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. एसआरके सिंह, डायरेक्टर अटारी जबलपुर, नेशनल बी वर्ल्ड के डायरेक्टर प्रवीण रघुवंशी, अनुविभागीय कृषि अधिकारी जी.एस. रैकवार, वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन डॉ. स्वप्निल दुबे, डॉ. मुकुल कुमार और डॉ. अंशुमान गुप्ता ने सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलन से की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. स्वप्निल दुबे ने स्वागत भाषण में कहा कि जिले में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएं हैं। ग्रामीण युवा इससे जुड़कर स्वरोजगार के अवसर बना सकते हैं। डॉ. एस.आर.के. सिंह ने कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर बनने के लिए फसल उत्पादन के साथ मधुमक्खी पालन और मशरूम उत्पादन जैसी तकनीकों को अपनाना होगा। मधुमक्खी पालन कृषि आधारित अच्छा व्यवसाय है। इससे फसलों में परागण की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे उत्पादन 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। पर्यावरण संतुलन और पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए भी यह जरूरी है।

180 किसानों ने लिया भाग

इस मौके पर प्रशिक्षित और चयनित मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन बॉक्स, मधु भोजन पात्र, दस्ताने और शहद चलनी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सांची, गैरतगंज, बेगमगंज, सिलवानी, बरेली और औबेदुल्लागंज विकासखंड के करीब 180 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन रंजीत सिंह राघव ने किया। इसे सफल बनाने में लक्ष्मी चक्रवर्ती, सुनील केथवास, डॉ. ब्रह्मानंद शुक्ला और अरुणा सोम्कुंवर का विशेष सहयोग रहा।

राज एक्सप्रेस
गुरुवार, 6 मार्च, 2025

मधुमक्खी पालन बाक्स प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का किया गया आयोजन

रायसेन। कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन अन्तर्गत एक दिवसीय मधुमक्खी पालन बाक्स प्रौद्योगिकी आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ एसआर के सिंह डायरेक्टर अटारी, जबलपुर, नेशनल बी वर्ल्ड के डायरेक्टर प्रवीन रघुवंशी, जीएस रैकवार एसडीओ कृषि विभाग, वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन डॉ स्वप्निल दुबे, डॉ मुकुल कुमार, डॉ अशुमान गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ स्वप्निल दुबे ने कहा कि जिले में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएं हैं, जिससे जुड़कर ग्रामीण युवक स्वरोजगार के अवसर बना सकते हैं। डॉ एसआरके सिंह ने कहा कि कृषकों को आत्म निर्भर बनने हेतु फसल उत्पादन के साथ साथ आय में अतिरिक्त साधन हेतु मधुमक्खी पालन एवं मशरूम उत्पादन जैसे तकनीकी को अपनाना होगा।

मधुमक्खी पालन जोकि स्वरोजगार का कृषि आधारित अच्छा व्यवसाय है। मधुमक्खी के द्वारा फसलों में परागण की किया से फसल उत्पादन में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है। पर्यावरण सुरक्षा एवं परिस्थिति की विकास हेतु मधुमक्खी पालन बहुत आवश्यक है।

वैज्ञानिक डॉ मुकुल द्वारा मधुमक्खी पालन हेतु उपयुक्त फसले नीबू, आम,युकेलिप्टस, अनार, नीम, अमरूद, बेर, सरसों, महुआ, धनिया की जानकारी दी गयी साथ ही मधुमक्खी पालन हेतु उपयुक्त स्थान विभिन्न प्रजातियां व भोजन स्त्रोत की जानकारी दी गयी। साथ ही वैज्ञानिक डॉ अशुमान गुप्ता एवं लक्ष्मी चकवर्ती द्वारा मधुमक्खी पालन पर वीडियो फिल्म के माध्यम से तकनीकी जानकरी दी गयी। इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा प्रशिक्षित एवं चयनित मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन बाक्स मधु भोजन पात्र, दस्ताने, शहद चलनी आदि आदान का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में सैंची, गैरतगज, बैगमगंज, सिलवानी, बरेली, औबेदुल्लागंज विकासखंड के लगभग 180 कृषकों ने भाग लिया।

दैनिक
शिखर पुंज
RNI - MPHIN/2019/87136
एक अखबार पूरा संसार

भोपाल
बुधवार
5 मार्च 2025
वर्ष: 16,अंक 134
पृष्ठ 08,
मूल्य: 02 रूपए

FOLLOW SHIKHARPUNJ ON SOCIAL MEDIA
/दैनिक शिखरपुंज
/danik_shikharpunj_

मधुमक्खी पालन बाक्स प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मधुमक्खीपालन को अपनाकर ग्रामीण युवक आत्म निर्भर बने : डॉ. एसआरके सिंह

शिखर पुंज

रायसेन। कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन अन्तर्गत एक दिवसीय मधुमक्खी पालन बाक्स प्रौद्योगिकी आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एस.आर. के सिंह डायरेक्टर अटारी जबलपुर,नेशनल बी वर्ल्ड के डायरेक्टर प्रवीन रघुवंशी, जी.एस रैकवार अनुविभागीय कृषि अधिकारी,वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन डॉ. स्वप्निल दुबे,डॉ. मुकुल कुमार,डॉ.अंषुमान गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन व दीप प्रज्जवलितकर की गई। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे द्वारा स्वागत उद्बोधन करते हुये कहा कि जिले में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाये है जिससे जुड़कर ग्रामीण युवक स्वरोजगार के अवसर बना सकतेहै। डॉ. एस.आर.के सिंह ने कहा कि कृषकों को आत्म निर्भर बनने हेतु फसल उत्पादन के साथ-साथ आय में अतिरिक्त साधन हेतु मधुमक्खी पालन, एवं मषरूम उत्पादन जैसे तकनीकी को अपनाना होगा। मधुमक्खी पालन जोकि स्वरोजगार का कृषि आधारित अच्छा व्यवसाय है। मधुमक्खी के द्वारा फसलों में परागण की क्रिया से फसल उत्पादन में 20 से 25 प्रतिषत तक की वृद्धि होती है। पर्यावरण सुरक्षा एवं परिस्थति की विकास हेतु मधुमक्खी पालन बहुत आवष्यक है। वैज्ञानिक डॉ. मुकुल द्वारा मधुमक्खी पालन हेतु उपयुक्त फसले नीबू, आम, युकेल्प्टस,अनार, नीम, अमरूद, बेर, सरसों, महुआ,धनिया की जानकारी दी गयी साथ ही मधुमक्खी पालन हेतु उपयुक्त स्थान विभिन्न प्रजातियां व भोजन स्त्रोत की जानकारी दी गयी। वैज्ञानिक श्री आलोक सूर्यवंषी द्वारा मधुमक्खी पालन से प्राप्त होने वाले विभिन्न उत्पाद जैसे शहद, रायल जैली, पराग, मौनविष, मोम, गोद आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वैज्ञानिक श्री रंजीत सिंह राघव द्वारा वर्षाऋतु, षीतऋतु,ग्रीष्मऋतु में मौन प्रबंधन एवं मधुमक्खी की बीमारिया व कीटनाषकों से मधुमक्खी की सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गयी। साथ ही वैज्ञानिक डॉ. अषुंमान गुप्ता एवं लक्ष्मी चक्रवर्ती द्वारा मधुमक्खी पालन पर वीडियो फिल्म के माध्यम से तकनीकी जानकरी दी गयी। इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा प्रषिक्षित एवं चयनित मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन बाक्स, मधु भोजन पात्र, दस्ताने,शहद चलनी आदि आदान का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम मे सांची,गैरतगंज, बैगमगंज,सिलवानी,बरेली, औबेदुल्लागंज विकासखंड के लगभग 180 कृषकों ने भागलिया कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन रंजीत सिंह राघव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के श्रीमती लक्ष्मी चक्रवती, सुनील केथवास,डॉ.ब्रम्हानंद शुक्ला, श्रीमती अरूणा सोमकुंवर का विशेष सहयोग रहा।